दीपावली का पर्व

दीपावली हिंदुओं का महत्वपूर्ण उत्सव है। यह कार्तिक मास की अमावस्या की रात्रि में मनाया जाता है। इस रात को घर-घर में दीपक जलाए जाते हैं। इसलिए इसे 'दीपावली' कहा गया है। इस दीन श्री रामचंद्र जी ने रावण का संहार करके वापस अयोध्या लौटे थे। उनकी खुशी में लोगों ने घी के दीपक जलाए थे। भगवान महावीर ने तथा स्वामी दयानंद ने इसी तिथि को निर्वाण प्राप्त किया था। इसलिए जैन संप्रदान तथा आर्य समाज में भी इस दिन का विशेष महत्व है। सिक्खों के छठे गुरु हरगोविंद सिंह जी भी इसी दिन कारावास से मुक्त हुए थे। इसलिए गुरुद्वारों की शोभा इस दिन दर्शनीय होती है। व्यापारी वर्ग विशेष उत्साह से इस उत्सव को मनाते हैं। इस दिन व्यापारी लोग अपने-अपने दुकानों को सजाते हैं, प्रसन्नता में अपने प्रियजनों में मिठाई आदि का वितरण करते हैं। घर-घर में लक्ष्मी का पूजन होता है। ऐसी मान्यता है, की उस रात लक्ष्मी घर में प्रवेश करती है। बाजार मिठाइयों से लद जाते हैं। लोग आतिशबाजी चलाकर भी अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हैं। गृहणियाँ इस दिन कोई-न-कोई बर्तन खरीदना शकुन समझते हैं।

Done by :- Monika Kherwa
9th class

Scanned with CamScanner

जीवन में व्यायाम का महत्व :-

एक प्रसिद्ध सूक्ति है - 'स्वस्त शरीर में ही स्वस्थ आत्मा का निवास संभव है। यदि शरीर स्वस्थ न हो तो संसार के सब वैभव और आस्वाद भी आनंद प्रदान नहीं करते। व्यायाम का सबसे बड़ा लाभ यह है कि इससे शरीर को विस्तार मिलता है। हमारी मांसपेशियाँ मजबूत होती हैं, रक्त का प्रवाह तेज होता है, पाचन शक्ति तेज होती है, नसों का व्यायाम होता है, हड्डियाँ मजबूत होती हैं, त्वचा साफ होती है, शरीर के मल पसीने के द्वारा बाहर निकलते हैं, भूख बढ़ती है और शरीर में चुस्ती-स्फूर्ति आती है।

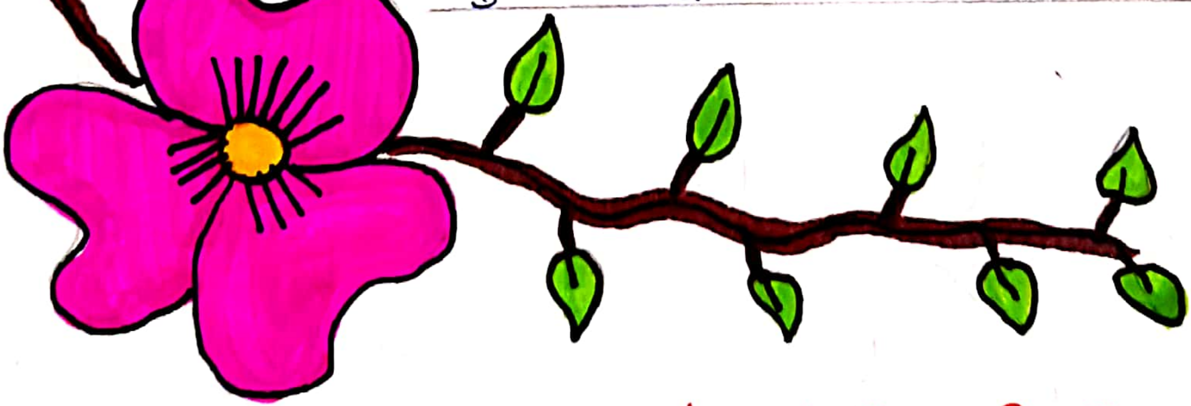

Name:- Meher Preetham

Class:- IXth (Ninth)

Scanned with CamScanner

परिश्रम का महत्व

मानव जीवन में परिश्रम का बहुत महत्व है। यह सभी प्रकार की उपलब्धि अथवा सफलता का आधार है। परिश्रमी मनुष्यों ने मानव-जाति के उत्थान में अतीव योगदान दिया है। हमारी वैज्ञानिक उन्नति के पीछे परिश्रम का बहुत बड़ा योगदान है। अपने परिश्रम के सहारे मानव सुदूर अंतरिक्ष में जा चुका पहुँचा है। अतः परिश्रम से बचने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। जिस राष्ट्र के नागरिक परिश्रम को महत्व नहीं देते, वह राष्ट्र दुनिया के अन्य राष्ट्रों से पिछड़ जाता है। यही कारण है कि हमारे महापुरुषों ने लोगों को परिश्रम करते रहने की सलाह दी है। परिश्रम करने वाला व्यक्ति एक-न-एक दिन अवश्य सफल होता है। कोई भी कार्य परिश्रम करने से ही पूरा होता है। केवल इच्छा करने से नहीं। अतएव किसी ध्येय की प्राप्ति के लिए परिश्रम करना अत्यावश्यक है।

Done by: T. Saanvi
कक्षा 9

Scanned with CamScanner

चूटकुले

1. पप्पू ने ब्लड टेस्ट करवाया रिजल्ट A+ आया।
सोच कर बड़ा अचरज हुआ कि कामयाबी तो रग रग में दौड़ रही है, तो स्कूल में C क्यो मिलता है।

2. चिंटू : माँ 10 रूपये देना, बाहर एक गरीब को देना है.....
माँ : कहाँ है गरीब?
चिंटू : वह देखो, धूप में बेचारा आइसक्रीम बेच रहा है।

3. यदि वजन पृथ्वी पर 100 किलो है तो, मंगल ग्रह पर यह 38 kg होगा और चाँद पर बस 16.6 kg!
मतलब हम, मोटे बिलकुल नही है बल्कि गलत ग्रह पर है।

4. चरागों को आँखों में मेंहफूज रखना;
बडी दूर तक रात ही रात होगी;
मुसाफिर हो तुम भी मुसाफिर है हम भी;
किसी मोड़ पर, फिर मुलाकात होगी।

Deepika Singh
IX Class

Scanned with CamScanner

पहेली

1. काली काली माँ, लाल लाल बच्चे, जिधर जाए माँ, उधर जाए बच्चे।

उ- ट्रैन।

2. दो सुन्दर लड़के, दोनों एक रंग के, एक बिछड़ जाए, तो दूसरा काम न आए।

उ- जूता।

3. पढ़ने में लिखने में, दोनों में ही मैं आता काम, पेन नही कागज नही, बताओ क्या है मेरा नाम?

उ- चश्मा।

4. कौन सी ऐसी जगह है जहा अमीर और गरीब आदमी दोनो को कटोरी लेकर खड़ा रहना पड़ता है?

उ- गोलगप्पे की दुकान।

5. तुम न बुलाओ मैं आ जाऊँगी, न भाड़ा न किराया दूँगी, घर के हर कमरे में रहूँगी, पकड़ न मुझको तुम पाओगे, मेरे बिन तुम न रह पाओगे, बताओ मैं कौन हूँ?

उ- हवा।

6. तीन पैरो वाली तितली नहा धो के कढ़ाई से निकली।

उ- समोसा।

Scanned with CamScanner

सैनिक

सैनिकों को वास्तविक नायकों के रूप में सदर्भित किया जाता है। अनुशासन, दृढ़ संकल्प, मजबूत काया, मानसिक शक्ति, अच्छे इरादे और अपने देशवासियों के लिए प्यार - वे सभी गुण है जो हम एक नायक में खोजते हैं। सैनिको का अपने राष्ट्र के प्रति अपार प्रेम है। यह वह प्रेम है जो उन्हें इस पेशे में शामिल होने और अपने राष्ट्र की सेवा करने के लिए प्रोत्साहित करता है। एक सैनिक बनने के लिए वे जिस प्रशिक्षण से गुजरते हैं वह उन्हें निखारता है और मजबूत बनता है। उन्हें समय को महत्व देना और सर्वोत्तम उपयोग करना सिखाया जाता है। उन्हें सुबह के समय में जागने और व्यायाम करने की आवश्यकता होती है। उन्हें प्रत्येक दिन सख्त दिनचार्या का पालन करने की आवश्यकता है। इसलिए सैनिक को असली नायक कहा जाता है।

Done by :- Ankita Chouhan
9th Class

Scanned with CamScanner